प्रदेश में प्रधानाचार्य से ग्रेड थर्ड तक के एक लाख 3770 पद खाली

चिंता: सरकारी स्कूलों के नामांकन में शिक्षकों की कमी का रोड़ा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

नए शिक्षा सत्र में बढ़ेगी परेशानी

सीकर. प्रदेश की स्कूलों में नया सत्र बुधवार से शुरू हो गया है। इसी के साथ स्कूलों में बच्चों ने प्रवेश लेना शुरू कर दिया है। पर इस बीच शिक्षकों की कमी सरकारी स्कूलों की नामांकन वृद्धि में बड़ा रोड़ा बन गई है। आलम ये है कि प्रदेश में प्रधानाचार्य से लेकर

तीन हजार 770 पद खाली चल रहे हैं। इसके चलते स्कूलों के नामांकन के साथ बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होना तय माना जा रहा है। इधर शिक्षक

फैक्ट फाइल

पद	स्वीकृत	रिक्त
प्रधानाचार्य	17153	6041
उपप्रधानाचार्य	12414	11227
व्याख्याता	55081	21121
व. शिक्षक	85468	33104
ग्रेड थर्ड शिक्षक	98446	29272
शा.शिक्षक ग्रेड-2	4029	2110
शा.शिक्षक ग्रेड-3	10893	1895
कुल	283484	103770

डीपीसी से हो भर्ती

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी डीपीसी व नई भर्ती से दूर हो सकती

तथा व्याख्याता व वरिष्ठ शिक्षकों की चार सत्र की पदोन्नति बकाया हो गई है। जिन्हें पूरा करने के बाद खाली होने वाले ग्रेड थर्ड पदों पर सरकार नई भर्ती कर स्कूलों में शिक्षकों की कमी व बेरोजगारों का राहत दोनों काम साथ कर सकती है।

इनका कहना है....

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी का असर नामांकन व विद्यार्थियों की पढ़ाई दोनों पर पड़ता है। जल्द ही डीपीसी व खाली पदों पर नई भर्ती कर सरकार को सार्वजनिक शिक्षा की नींव मजबूत करनी चाहिए।

उपेंद्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री, राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत